प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में पांच–दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग द्वारा 3 से 7 मई 2024 तक 'औषधीय पौधों के सूक्ष्म प्रवर्धन और मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग के लिए इन विट्रो दृष्टिकोण' विषयक पांच–दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारम्भ महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. संदीप अरोड़ा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में इनविट्रो पादप संवर्धन तकनीकी और अन्य विषयों पर विभिन्न व्याख्यान डा. प्रमोद साबले (हाईमीडिया), डा. सुमित पुरोहित (वैज्ञानिक–यूसीबी हल्दी), डा. वंदना कुमार (पूर्व प्रोफेसर जैव रसायन विभाग), डा. रविन्द्र कुमार (सहायक प्राध्यापक रसायन विज्ञान विभाग), द्वारा दिए गए। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने मुख्य रूप से पादप भ्रूण संवर्धन, मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग, अन्वेषकों द्वारा प्ररोह संवर्धन और अन्य के बारे में सीखा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी सक्रिय रूप से समूह चर्चा व्यवहारिक अभ्यास और अध्ययन में लगे रहे, उन्होनें अपने कौशल को निखारा और प्राप्त ज्ञान को प्रयोग में लाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पेशेवरों और छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव प्रदान करना व पादप ऊतक संवर्धन के माध्यम से औषधीय रूप से महत्वपूर्ण पौधों का व्यवसायीकरण करना था। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रीति चतुर्वेदी व संयोजन डा. डी.एस. रावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुगंधा पन्त, दिव्या, इशिता चन्द्र, शीतल कोरंगा एवं सुहासिनी रेकवाल शोधार्थियों ने सहयोग किया। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड एवं निकटवर्ती राज्यों से कुल 25 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रतिभागियों को ऊतक संवर्धन व मेटाबोलिक प्रोफाइलिंग से सम्बंधित वैज्ञानिक साहित्य एक कम्पेडियम के रूप में भी उपलब्ध कराया गया।

3. प्रतिभागियों के साथ अधिकारीगण।

निदेशक संचार